बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के वार्षिक अधिवेशन में महामहिम राज्यपाल, श्री राम नाथ कोविन्द का संबोधन

(दिनांक–23.04.2017, समय–अपराह्न–03:00 बजे, स्थान–बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स, पटना)

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री निर्मल कुमार झुनझुनवाला जी, महामंत्री श्री ओम प्रकाश टिबरेवाल जी, श्री पवन सुरेका जी, श्री युगल अग्रवाल जी, श्री विनोद तोदी जी, श्री अशोक तुलस्यान जी, श्री मातादीन अग्रवाल जी, श्री अंजनी सुरेका जी, श्री मनोज झुनझुनवाला जी, श्री नवीन टिबरेवाल जी, कार्यक्रम में उपस्थित संस्था के अन्य सभी पदाधिकारीगण, कार्यकर्त्तागण, मीडिया प्रतिनिधिगण, देवियों एवं सज्जनों!

आपकी संस्था बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के इस वार्षिक अधिवेशन के अवसर पर मैं आप सबको हार्दिक बधाई व शुभकामनाएँ देता हूँ।

मित्रों, किसी भी संस्था का वार्षिक अधिवेशन और सम्मेलन वह सुअवसर होता है, जब हम उसकी प्रगति–यात्रा का मूल्यांकन करते हैं और साथ ही भविष्य के लिए उस संस्था के विकास की रूप–रेखा तैयार करने का प्रयास करते हैं। आपकी संस्था ने आज के अपने प्रमंडलीय अधिवेशन के अवसर पर एक विशेष कार्य सम्पादित किया है और अपने सदस्यों के लिए एक 'निर्देशिका' का प्रकाशन किया है। इस प्रकाशन से सदस्यों को एक दूसरे के बारे में जानकारी रखने में सुविधा हो जायेगी। संस्था की गतिविधियों के अभिलेखीकरण (Documentation) से संस्था की

गतिविधियों का तो दस्तावेज तैयार हो ही जाता है, साथ ही इससे भविष्य के कार्यकर्त्ताओं के लिए एक मार्गदर्शन भी सुलभ हो जाता है।

मित्रों, आज समाज में विभिन्न तरह के सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक, औद्योगिक आदि संगठन कार्यरत हैं। ये संगठन अपने सदस्यों के कल्याण की बातें तो सोचते ही हैं, किन्तु साथ ही इनकी गतिविधियों से राष्ट्र की प्रगति को भी एक बहुआयामी विस्तार मिल जाता है। आपने भी जो संगठन तैयार किया है, यह आपके समाज के हितों की रक्षा के प्रति तो तत्पर है ही, साथ ही इससे समाज के अन्य वर्ग भी लाभान्वित हो रहे हैं। मुझे बताया गया है कि आपकी संस्था समाज–कल्याण के विभिन्न क्षेत्रों में भी सक्रिय है। मेरा अनुरोध है कि आप सभी दिव्यांगों तथा समाज के

गरीब व जरूरतमंद लोगों के सामूहिक विवाह–समारोहों को आयोजित कराने में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएँ। बिहार में शराबबंदी का व्यापक अभियान छेड़ा गया है और इसके काफी फायदे भी नजर आ रहे हैं। मेरा अनुरोध होगा कि अब हमें पूर्ण नशाबंदी की ओर आगे बढ़ना चाहिए।

मित्रों, दहेज–प्रथा भी आज हमारे समाज में सभी जाति–धर्मों के लोगों में बुरी तरह फैल चुकी है। इससे मुक्ति के लिए भी हमें सार्थक पहल करनी चाहिए। शहरी जीवन में सफाई, स्वच्छता और स्वास्थ्य–सुविधाओं का विकास भी बेहद जरूरी है। गरीब–परिवारों में बच्चों का नियमित टीकाकरण और बुजुर्गों की आँखों की रौशनी के लिए मोतियाबिन्द आदि के ऑपरेशन बहुत जरूरी होते हैं। आपकी संस्था इन लोक–कल्याणकारी कार्यों में भी अपनी

महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। आप चाहें तो सीधे तौर पर इसमें पहल कर सकते हैं या फिर रेडक्रॉस जैसी संस्थाओं के माध्यम से भी आप लाभार्थी परिवारों की मदद कर सकते हैं। इन कार्यों से आपकी सामाजिक पहचान भी बनेगी, लोग आपको सम्मान की नजर से देखेंगे और आप बहुत बड़े यश के भागी बनेंगे। मैं समझता हूँ, आप इस दिशा में गंभीरता से सोच भी रहे होंगे और आपके कुछ प्रयास भी चल रहे होंगे। किन्तु, जरूरत है इन प्रयासों को और अधिक गति देने की। मारवाड़ी समाज सामाजिक कल्याण और धार्मिक व सांस्कृतिक गतिविधियों के विकास में शुरू से ही पूरी दिलचस्पी लेता रहा है। यह समाज जहाँ भी रहता है, सामाजिक सौहार्द और शांति को बढ़ावा देने में तत्पर रहता है। दानवीरता का बड़ा सुदीर्घ इतिहास इस समाज का रहा है। मुझे विश्वास है कि आप

अपनी संस्था को व्यापक सामाजिक हित तथा राष्ट्रीय एकता और देशभक्ति की ओर उन्मुख करने में सदैव तत्पर रहेंगे। मेरी पूरी शुभकामनाएँ आप सबों के साथ हैं। आप सबको बहुत–बहुत धन्यवाद!

जय हिन्द!!

***